पशुपालकों ने मुआवजे की मांग को लेकर जिला कलक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

लम्पी रोग से पीड़ित पशुपालकों ने मुआवजा देकर राहत देने की मांग की

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारतीय जनता मजदूर मंच जिलाध्यक्ष हेमराज चौधरी के निर्देशानुसार तथा जिला महामंत्री प्रदीप पंडित 'कश्मीरी' के नेतृत्व में लम्पी रोग से प्रभावित पशुपालकों को न्याय दिलाने के लिए राजस्थान गौ एवं अन्य दुग्ध पशुपालक संघ तथा पशु क्रुरता निवारण संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा पशुपालकों ने आज जिला कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

तत्पश्चात् जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री व पशुपालन मंत्री को ज्ञापन भेजकर लंपी रोग से भारी संख्या में गौवंश की मृत्यु के कारण प्रभावित अल्पसंख्यक मुस्लिम गौपालकों सहित जिले के पशुपालकों को हुए नुकसान का मुआवजा देकर राहत प्रदान करने की माँग की। इस मौके पर राजस्थान गौ एवं अन्य दुग्ध पशुपालक संघ तथा पशु क्रुरता निवारण संघ अध्यक्ष हाजी माहरम खान, महामंत्री सलीम खान भाटी, नूरा खान, जुनेद खान, शम्मी खान, निजाम खान सहित भारी संख्या में महिला-पुरूष पशुपालक उपस्थित थे।

भारतीय जनता मजदूर मंच जिला महामंत्री प्रदीप पंडित कश्मीरी ने बताया कि पशुपालकों में राज्य सरकार के उदासीन रवैये के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला तथा जल्द मुआवजे की माँग को लेकर कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन तथा नगर परिषद/नगर पालिकाओं एवं ग्राम पंचायतों की उदासीनता के कारण जिले में पशुपालकों को खुले में मृत पशु फैंकने के लिए मजबूर किया जा रहा है, क्योंकि मृत पशुओं को दफनाने नहीं दिया जा रहा है। मृत पशु उठाने के लिए 3-5 हजार रूपये की माँग की जाती है। प्रशासन द्वारा मृत पशुओं को दफनाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, इस कारण खुले में मृत पशुओं के कारण बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। इसलिए जिला प्रशासन जल्द से जल्द प्रभावी कार्यवाही करते हुए मृत पशुओं के दफनाने की समुचित व्यवस्था करे तथा खुले में पड़े मृत पशुओं को भी शीघ्रातिशीघ्र दफनाया जाए, ताकि बीमारियों से बचाव हो सके।

राजस्थान गौ एवं अन्य दुग्ध पशुपालक संघ तथा पशु क्रुरता निवारण संघ अध्यक्ष हाजी माहरम खान एवं महामंत्री सलीम खान भाटी ने कहा कि गौवंश में फैले लंपी रोग के कारण श्रीगंगानगर जिले में गौवंश की भारी संख्या में मृत्यु हुई है। श्रीगंगानगर जिले में अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के एक वर्ग का मुख्य पेशा गौपालन है तथा दूध एवं उससे बने उत्पादों की बिक्री करके ही परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

लंपी रोग के कारण अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के गौपालकों सहित समस्त पशुपालकों को भारी आर्थिक एवं मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा भारी संख्या में गौवंश की मृत्यु के कारण परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो गया है। पशुपालकों के पास अब इतना पैसा नहीं है कि दुबारा गौवंश खरीदकर डेयरी व्यवसाय कर सके, क्योंकि इनकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त दयनीय है।

कलेक्ट्रेट पर मांगों को लेकर प्रदर्शन करते पशुपालक।

■ प्रशासन की उदासीनता के कारण पशुपालकों को मृत पशुओं को खुले में फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है

पूर्ण हो चुके विकास कार्यों के लिए मांगी निविदाएं नगरपरिषद ने निरस्त की

निविदा खुलनी थी 16 अगस्त को निरस्त की 17 अगस्त को

सुजानगढ़, (निसं)। नगरपरिषद द्वारा जो विकास कार्य पूर्ण हो चूके हैं, उनके निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद निविदा आमंत्रित करने, जी शेड्यूल जारी करने के आरोप लगाते हुए भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर ने बताया कि इस सम्बंध में जिला कलेक्टर, स्वायत शासन विभाग एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत की जायेगी।

गुर्जर ने बताया कि नगरपरिषद द्वारा तीन अगस्त को निविदा क्रमांक 5219 जारी की थी, जिसमें 26 विकास कार्य किए जाने प्रस्तावित थे तथा निविदाएं 16 अगस्त को खुलनी थी। नरेन्द्र ने बताया कि एक ओर नगरपरिषद विकास कार्यों की निविदाएं आमंत्रित करती है। वहीं दूसरी ओर निविदा में प्रस्तावित करीब 15-16 कार्य मौके पर पूर्ण हो चूके हैं। जब विकास कार्य पूर्ण हो चूके हैं, तो फिर उनकी निविदा कैसे जारी हो सकती है। गुर्जर ने करीब आठ विकास कार्यों के मौके पर पूर्ण होने के गुगल मैप के माध्यम से समय व दिनांक सहित ली गई फोटो मीडिया को उपलब्ध करवाई। नरेन्द्र ने नगरपरिषद पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए बताया कि निविदा में क्रमांक 11 पर अंकित वार्ड नं. 59 में महेन्द्र नाई के नोहरे के पास सी.सी. रोड निर्माण कार्य, जिसकी अनुमानित लागत 1.56 लाख रूपये प्रस्तावित है। जबकि पूरे वार्ड में इस नाम का ना तो कोई आदमी है, और ना ही इस नाम के किसी व्यक्ति का वार्ड में नोहरा है।

■ भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

गुर्जर ने बताया कि निविदा में क्रमांक 17 पर वार्ड नं. 41 में दुलिया स्कूल से बशीर खां की गली तक सडक निर्माण, लागत 3.07 लाख रूपये प्रस्तावित है, वहीं इसी निविदा में क्रमांक 21 पर यही कार्य अनुमानित लागत 2.92 लाख रूपये के साथ अंकित है। एक ही विकास कार्य के लिए एक ही निविदा में दो अलग-अलग अनुमानित लागत को दर्शाना तथा एक ही कार्य के लिए अलग-अलग निविदाएं आमंत्रित करना खुलेआम भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है।

नरेन्द्र ने बताया कि भंवरलाल पाण्डर के घर से मोहनलाल के घर तक नाली निर्माण, कैलाश चीनिया के घर से मोहन प्रजापत की दुकान तक नाली निर्माण, लाडनूं पुलिया पर नाला रिपेयर एवं जाली लगाने का कार्य, किशन गुलेरिया के घर से कुन्दन सारण के घर तक जाट भवन के पीछे सी.सी. रोड, कुंजडा भवन से साबिर की दुकान तक, लालचंद रैगर के घर से शिवदयाल फलवाडिया के घर तक सी.सी. सडक, भंवरलाल राईन के घर से मदन साउण्ड, रमजान मैनेजर के घर तक सी.सी. सडक सहित अनेक विकास कार्य हैं, जो कि पूर्व में पूर्ण हो चूके हैं और नगरपरिषद द्वारा उनकी अब निविदाएं आमंत्रित की गई है। गुर्जर ने बताया कि उसे जानकारी मिली है कि नगरपरिषद ने निविदा को निरस्त कर दिया है। निविदा निरस्त करने का एक प्रोसेस है, जिसे नगरपरिषद द्वारा फॉलो नहीं किया गया है। गुर्जर ने बताया कि नगरपरिषद द्वारा अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए पूर्व में हो चूके विकास कार्यों के लिए जारी की गई निविदा को निरस्त किया गया है।

गुर्जर के आरोपों के सम्बंध में आयुक्त कमलेश कुमार मीणा से बात करने पर उन्होने बताया कि निविदाएं आमंत्रित की गई थी, लेकिन संवेदकों द्वारा शर्तों के अनुसार दस्तावेज संलग्न नहीं करने के कारण निविदा निरस्त कर दी गई। विकास कार्यों के पूर्ण होने को लेकर किए गए सवाल के जवाब में आयुक्त ने बताया कि इस सम्बंध में उन्हे कोई जानकारी नहीं है। इस सम्बंध में सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संबंधित संवेदकों को निविदा आवेदन में तकनीकी एवं दस्तावेजी कमी के सम्बंध में कोई नोटिस नहीं दिया गया।

खूनी संघर्ष में दो पक्षों के छह लोग घायल

हिंडौन, (कासं)। हिंडौन के पास गांव खेड़ा जमालपुर में दो पक्षों में टिन शेड डालते समय अस्थाई लकड़ी के खोखे की दुकान को हटाने के विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। जिसमें दोनों पक्षों के 6 लोग घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल हिंडौन में भर्ती कराया है।

जिला अस्पताल हिंडौन के सर्जन डॉक्टर जेपी मीणा ने बताया कि गांव खेड़ा जमालपुर में दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। जिनमें दोनों पक्षों के 6 लोग घायल हो गए। जिसमें पहले पक्ष के विष्णु, उसकी मां हरपंखी दोनों घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष के राजेश, बने सिंह, पिंकेश, मान सिंह घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। प्रथम पक्ष के घायल विष्णु ने बताया कि वह अपने घर की दुकान के ऊपर टीन शेड डाल रहे थे और दुकान के सामने दूसरे पक्ष के लोगों से उनकी

■ टीन शेड डालने और दुकान हटाने को लेकर हुआ विवाद

अस्थाई लकड़ी दुकान (खोका) को हटाने के लिए बोला गया। इतने में उन लोगों ने मुझ पर हमला बोल दिया।

बीच-बचाव में आई मेरी मां को भी मारपीट कर घायल कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के घायल राजेश ने बताया कि बिनासूचना दिए दुकान के खोका को हटाया जा रहा था। जिस पर मना करने पर प्रथम पक्ष के लोगों ने मुझ पर हमला कर दिया। बीच बचाव में आए मेरे परिवार जन बने सिंह, पिंकेश, मानसिंह को भी मारपीट कर घायल कर दिया। सदर थाना अधिकारी बाल कृष्ण ने बताया कि दोनों पक्षों की तरफ से किसी भी पक्ष द्वारा कोई भी परिवाद थाने में दर्ज नहीं करवाया है। मामला दर्ज होते ही कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पुष्कर सरोवर में फिसलने से दो श्रद्धालु गंभीर घायल

पुष्कर, (निसं)। सोमवार सुबह वराह घाट पर फिसलने से उतर प्रदेश जिला हापुड़ की वृद्ध महिला शशिप्रभा(60) स्नान करने जैसे ही घाट पर पहुँची और पैर फिसलने से गिर गई। गिरने से सिर में गंभीर चोट लगने से खून बहने लगा। उसी समय यात्रियों की सुरक्षा के लिए घाटों पर तैनात सिविल डिफेंस टीम की सुमित्रा चौहान एवं एसडीआरएफ की सुनीता ने महिला को संभालते हुए सिर में कपड़ा बांधकर घाट से ऊपर लेकर आये और सिविल डिफेंस के किशन गोपाल जाट व एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 बाइक एंबुलेंस मोके पर पहुँची।लेकिन सिर में बड़ा घाव होने व खून बहने के कारण महिला को किशन गोपाल जाट व सुनील उपाध्याय ने बिना देर करे तुरंत अपने स्कूटर पर बैठाकर हॉस्पिटल लेकर पहुँचे जंहा उपचार के दौरान चार टांके आये।साथ में महिला के पुत्र आनन्द के कहने पर की महिला ने अभी स्नान व दर्शन नही किया है हम लोग जैसे ही घाट पर आए और यह घटना हो गई।

इसी तरह गऊ घाट पर एक चार वर्षीय हिमांशू निवासी अजमेर के भी फिसलने से सिर में चोट आई है।सिविल डिफेंस के राकेश,पूनम व एसडीआरएफ के अशोक ने पट्टी बांधकर टीम के अमर सांखला व श्यामसुंदर मारोठिया की सहायता से हॉस्पिटल लेकर गए जंहा सिर में दो टांके लगे है।दोनों यात्रियों को वापिस प्राथमिक उपचार के बाद सरोवर पर छोड़ दिया गया।

विधायक पूनिया ने आईजीएनपी के प्रथम चरण के सिंचाई पानी पर व्यक्त की चिंता

'कांग्रेस-भाजपा ने आईजीएनपी के प्रथम चरण को उजाड़ने की योजना बना डाली है'

अनूपगढ़, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा अनूपगढ़ के गांव बांडा में एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में विधायक बलवान पूनिया ने किसानों को संबोधित करते हुए कि आप कांग्रेस और भाजपा को बारी-बारी से जिताने का कार्य कर रहे है। उधर, दोनों पार्टियों ने मिलकर आईजीएनपी के प्रथम चरण को उजाड़ने की योजना बना डाली है। उन्होंने आईजीएनपी के प्रथम चरण के सिंचाई पानी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2004 में इसी लाल झंडे ने घड़साना, रावला की आंदोलनकारी धरती पर संघर्ष कर इस क्षेत्र की खेती को बचाया था। यही लाल झंडा हमेशा इन नहरों के पानी की हिफाज़त करता रहेगा।

बलवान पूनिया ने अनूपगढ़ की जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि आप थोड़ा प्रयास करेंगे तो हम एक और एक ग्यारह हो जाएंगे। पूनिया ने कहा कि देश का सबसे बड़ा उद्योग खेती है, वहीं खेती बड़े संकट से गुजर रही है। विधायक बलवान पूनिया ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी-शाह की जोड़ी अंबानी अडानी की कठपुतली बने हुए है। उन्हें किसान मजदूर की चिंता नहीं है बल्कि कॉपीरेट घरानों के लिए पूरा देश भी बेच सकते है।

पूनिया ने कहा कि हम विश्वास दिलाते है कामरेड आम आदमी के लिए सड़क मांगेंगे, बिजली पानी मांगेंगे, स्कूल और रोजगार मांगेंगे, लेकिन बिकेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं। केंद्रीय किसान कौंसिल के सदस्य कॉमरेड श्योपत मेघवाल ने कहा कि नहरों में पानी, फसलों के भाव और फसल खराबे का क्लेम से लेकर, मनरेगा का रोजगार और पीने के पानी तक के लिए बॉर्डर के इलाके में समस्या बनी रहती है। उन्होंने कहा कि केवल सरकारें बदलती है हालात नहीं। इन हालातों के बदलाव के लिए लाल झंडा ही सही विकल्प है। मेघवाल ने कहा कि हमारी पार्टी के योगेंद्रनाथ हांडा व शोपत सिंह मक्कासर जैसे नेताओं ने अपने घरों को फूंककर इस क्षेत्र को बसाया है। इसी को याद रखकर इस क्षेत्र में खुशहाली को कायम करेंगे।

पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ ने किया कार्य बहिष्कार

11 सूत्री मांगों को लेकर पशुचिकित्सालय संस्थानो में की तालाबंदी

करौली, (निसं)। राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के प्रदेश आव्हान पर अपनी 11 सूत्री मांगों के वादाखिलाफी के विरोध में सरकार व शासन प्रशासन के खिलाफ संपूर्ण राजस्थान में सोमवार से पशु चिकत्सा कर्मचारी संघ सामूहिक अवकाश व पशु चिकित्सा संस्थाओ में तालाबंदी व पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार किया जा रहा है।

राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के प्रदेश मुख्य सलाहकार राजेश शर्मा,जिला संघर्ष संयोजक नीरज काचौरा ने एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पशु चिकित्सा कर्मचारी पिछले कई वर्षों से अपनी न्यायोचित मांगों के लिए संघर्षरत है उन्होंने बताया कि मार्च -अप्रैल 2022 माह में 1 माह तक निदेशालय पशुपालन विभाग पर आमरण अनशन व सभी जिलों के लगातार क्रमिक अनशन, क्रमिक अनशन चला गत 11 अप्रेल को मांगों के संबंध में राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव,मुख्यमंत्री के निजी सचिव, आईएस आरती डोगरा, पशुपालन सचिव डॉ. आरुषि मलिक, शासन उपसचिव कश्मीर कौर व संघ के प्रतिनिधि मंडल के बीच वार्ता हुई जिसमें समझौता होकर सैद्धांतिक सहमति बनी 3 माह के अंदर सभी जायज मांगों के प्रशासनिक आदेश निकाल दिए जाएंगे परंतु 3 माह निर्किलने के बाद भी एक भी आदेश की क्रियान्वित नहीं हुई 1 माह तक लगातार शासन प्रशासन से संपर्क में रहे परंतु कोई भी आदेश नहीं निकलने पर 22 अगस्त से सामूहिक अवकाश पर पूर्ण कार्य बहिष्कार का निर्णय का नोटिस सरकार को दिया उसके बाद 20 अगस्त को पशुपालन मंत्री, शासन सचिव पशुपालन के बीच मंडल से वार्ता हुई उन्होंने लिखित में 7 दिवस का समय मांगा संघ के प्रतिनिधि मंडल ने अपनी सहमति दी परंतु 7 दिवस निकल जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई ना आदेश निकले इसी वादाखिलाफी के विरुद्ध कर्मचारी सोमवार से संपूर्ण जिले में सामूहिक हड़ताल पर चले गऐ व संस्थाओं में ताले लग गऐ हैं जिला मुख्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाएं अवकाश पर रहेंगे करौली जिले के नोडल करौली, मासलपुर, मण्डरायल, सपोटरा, हिंडौन, सूरौठ, महावीरजी, टोडाभीम, बालघाट, नादौती में शत प्रतिशत पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ सोमवार से सामूहिक अवकाश पर रहेंगे व जिन संस्थाओं में पशु चिकित्सक नही हैं उनमें ताले लग गये व पशुपालक बहुत परेशान हो रहे है।

एमएसपी के लिए बड़ा आंदोलन करेंगे : टिकैत

बीकानेर, (कासं)। नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने किसानों के लिए लड़ने वाले राकेश टिकैत ने कहा है कि न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) के लिए देशभर में बड़ा आंदोलन होगा। उन्होंने विपक्ष की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए केन्द्र सरकार पर हमला बोला। टिकैत यहां पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी के यहां उनकी माताजी के निधन पर शोक व्यक्त करने आये थे। बाद में पत्रकारों से बातचीत में टिकैत ने कहा कि किसान को फसल खरीद के लिए न्यूनतम खरीद मूल्य तय करना ही होगा। केन्द्र सरकार को एमएसपी के लिए नए सिरे से नियम बनाने होंगे ताकि किसान को उचित मूल्य मिल सके।

वर्तमान एमएसपी से किसान का शोषण हो रहा है। बाजरा, मूंगफली, सरसों की खरीद एमएसपी पर होनी चाहिए। व्यापारी पहले फसल खरीदकर उसे होल्ड करता है, फिर बड़ी कीमत पर बेचता है। सरकार ने हाईवे निकालते हुए दो सौ मीटर में कोई दुकान नहीं खोलने की शर्त के खिलाफ लड़ना होगा। छोटे दुकानदार भी खतरे में है, उन्हें भी अपनी लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि आने वाला समय छोटे दुकानदारों के एकजुट होने का है। सबसे ज्यादा खतरा इन्हीं दुकानदारों पर आने वाला है।

पिस्तौल और 11 कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर को पकड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। बाइक पर पिस्तौल और 11 कारतूस लेकर आ रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से कुछ रुपए भी मिले हैं। एक चला कारतूस और उसका खोल भी मिला है। पुलिस को शक है कि, लूट की वारदात करने का प्लान था। मामला श्रीगंगानगर के सादुलशहर थाने का है। पुलिस ने सादुलशहर इलाके में ढ ाणी खीचड़वाली के पास नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान बाइक पर दो युवक वहां पहुंचे। बाइक गांव दलियांवाली का राजासिंह पुत्र बवलदेव सिंह चला रहा था। जबकि उसके पीछे गांव ग्यारह जैड का सतपाल पुत्र गणपत बैठा हुआ था।

पुलिस की नाकाबंदी देखकर बाइक सवार घबरा गया। उसने बाइक को घुमाया। तेजी से बाइक घुमाने के दौरान यह फिसल गया और

■ पुलिस को देखकर भागा तो बाइक फिसली, दोस्त भी गिरफ्तार

दोनों आरोपी जमीन पर गिर गए। इन्हें पुलिस ने घेरा डालकर पकड़ लिया। इनकी तलाशी ली गई तो इनके पास 11 कारतूस और एक चला हुआ कारतूस और इसका खोल बरामद हुआ। इनके पास 8350 रुपए और एक बिना नंबर की बाइक भी बरामद की गई है। राजासिंह लालगढ़ थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस इनके अन्य वारदातों में शामिल होने के बारे में जानकारी जुटा रही है। इनके के पास रुपए मिलने और बिना नंबर का बाइक बरामद होने से इनके हाल ही में किसी लूट की वारदात को अंजाम देने की आशंका है।

घड़साना पूर्व बार संघ अध्यक्ष ने किया सुसाइड

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ विधानसभा की तहसील घड़साना में सोमवार को घड़साना बार संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह झोरड़ ने अपने घर पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर सामाजिक संगठन, समाजसेवी और बार संघ घटनास्थल पर पहुंचा।

बार संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह झोरड़ की पत्नी सोमवार सुबह ड्यूटी करने के लिए स्कूल चली गई थी। घर पर विजय सिंह झोरड़ अकेले ही थे। पत्नी के जाने के बाद विजय सिंह झोरड़ अपने घर की तीसरी मंजिल पर गए और पानी की टंकी के पास बनी लोहे की सीढ़ी में रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। कुछ समय बाद नजदीक के ही स्कूल के अध्यापकों के द्वारा विजय सिंह झोरड़ को रस्सी के फंदे पर लटकता देखा, तो उन्होंने इसकी सूचना अपने प्रिंसिपल को दी। प्रिंसिपल ने विजय सिंह झोरड़ के पड़ोसियों को मामले की सूचना दी।

सूचना मिलने पर पड़ोसी और काफी लोग मौके पर पहुंचे और फंदे पर झूल रहे विजय सिंह झोरड़ को नीचे उतारा। मामले की सूचना के बाद घड़साना थाना पुलिस के एसआई पृथ्वी सिंह, पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

■ लोहे की सीढ़ी पर फंदा बनाकर झूले विजय सिंह झोरड़

■ नशे के खिलाफ किया था आंदोलन

पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग ने बताया कि परिजनों के द्वारा शव को मोर्चरी में रखवाने के लिए मना कर दिया गया है और घर की तलाशी लेने के लिए भी मना कर दिया गया है। मृतक की पत्नी ने कहा कि उनकी बेटी जयपुर में पढ़ती है। उसके आने के बाद ही घर की तलाशी ली जाएगी। घर की तलाशी लेने के बाद ही सुसाइड नोट मिल सकता है। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

बता दें कि कुछ समय पूर्व घड़साना में बढ़ रहे नशे को लेकर विजय सिंह झोरड़ ने आंदोलन किया था। आंदोलन के दौरान पुलिस ने विजय सिंह झोरड़ को काफी पीटा था। जिसका लोगों ने विरोध भी किया था। उसके बाद से ही विजय सिंह झोरड़ मानसिक तनाव में चल रहे थे।

चोरी की वारदात का खुलासा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की बडलियास थाना पुलिस ने सोपुरा गांव से ट्रक चोरी की वारदात का खुलासा करते हुये एक आरोपित को गिरफ्तार कर चोरी गया ट्रक बरामद कर लिया है।

बडलियास थाना प्रभारी शिवचरण ने बताया की, 28 अगस्त को सोपुरा के शंकर लाल गुर्जर ने रिपोर्ट दी कि, वह अपने परिवार सहित गोवटा माताजी स्थान पर घुमने गया था। वापस घर आने पर घर के बाहर खडा ट्रक गायब मिला। परिवादी ने आस-पडौस से मालुम किया तो किसी ने बताया कि सोपुरा का महावीर पुत्र लादु गुर्जर ट्रक बीगोद की तरफ लेकर गया है । परिवादी ने काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने ट्रक चोरी का मामला दर्ज करवाया।

डीएसपी कोटडी प्रमोद शर्मा के सुपरविजन में टीम गठित की। टीम ने हाईवे पर स्थित होटल ढाबों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज लिये। जांच कर आरोपी के संबंध में सूचना एकत्रित कर उसे डिटेन कर ट्रक बरामद की। जुर्म प्रमाणित पाये जाने पर आरोपित महावीर पुत्र लादूलाल गुर्जर निवासी सोपुरा को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थाना प्रभारी शिवचरण, दीवान दिलीप कुमार, युसूफ मोहम्मद, कांस्टेबल भंवर लाल, रामसुख, अजय कुमार व अनिल कुमार शामिल थे।

'ग्रामीण ओलम्पिक प्रतियोगिताओं से गांव में छिपी प्रतिभाएं आगे आएंगी'

राजीव गाँधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ

बीदासर, (निसं)। निकटवर्ती गांव दूंकर के खेल स्टेडियम में सोमवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर चार दिवसीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ समारोहपूर्वक हुआ। समारोह की अध्यक्षता ग्राम पंचायत दूंकर की सरपंच ज्ञानू देवी भामू ने की तथा समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मनोज मेघवाल व विशिष्ठ अतिथि उपखण्ड अधिकारी श्योराम वर्मा, तहसीलदार द्वारका प्रसाद शर्मा, सीबीईओ संदीप कुमार व्यास, विकास अधिकारी हंसराज मीणा, एसीबीईओ सुखदेवाराम प्रजापत, रूपाराम भामू थे।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मनोज मेघवाल ने ध्वजारोहण कर खिलाड़ियों को शपथ दिलाकर खेलकूद प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि ग्रामीण ओलम्पिक प्रतियोगिताओं से गाँव मे छूपी प्रतिभाएँ आगे आऐगी तथा खेल भावना से आपसी सौहार्द व भाईचारा को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ फिट राजस्थान हिट राजस्थान का सपना साकार होगा। मेघवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा खेलो का बजट 20 करोड़ से बढाकर 40 करोड़ करने व आयोजन पर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। पंचायत कार्यक्रम के पीईईओ व प्रधानाचार्य रामनारायण पूनियाँ ने बताया कि इस प्रतियोगिता मे 268 खिलाड़ी व कुल 22 टीमें भाग ले रही है। खेलकुद प्रतियोगिता मे कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, हॉकी, वॉलीबॉल, शूंटिग बॉल मे महिला व पुरूष वर्ग के भाग लेंगे।

ग्रामीण ओलंपिक खेलों की शुरूआत में कबड्डी के दमखम दिखाते खिलाड़ी।

■ खेलकूद प्रतियोगिता समापन एक सितम्बर को होगा

खेलकुद प्रतियोगिता समापन 01 सितम्बर 22 को होगा। ब्लॉक बीदासर के खेल नॉडल ऑफिसर सरदार सिंह रेवाड़ ने बताया कि ब्लॉक की 27 ग्राम पंचायतों मे एक साथ खेलों का उद्घाटन हुआ। समारोह मे एसीबीईओ चरण सिंह घोटड़, आरपी गुलाबचंद मेघवाल, रचना पारीक, सुरेश जानू, पूर्व संरपच रामनिवास भामू, पूनाराम मेघवाल, मांगीलाल भामू, चौनाराम भामू, दूलनाथ सिद्ध सहित अनेक ग्रामीण व विद्यार्थी व खिलाड़ी उपस्थित थे।